



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 14 दिसम्बर, 1992/ 23 अग्रहायण, 1914

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय जिला दण्डाधिकारी, मण्डी, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश।

अधिसूचना

मण्डी, 14 दिसम्बर, 1992

संख्या 3068-72.—केन्द्र सरकार ने अपनी अधिसूचना सं० एफ० नं० 11/14034/2(V) /92-आई० एस० (डी० वी०), दिनांक 10-12-1992 के द्वारा राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ को अनलाफुल एक्टिविटीज (प्रिवेन्शन) ऐक्ट, 1967 के अन्तर्गत तत्काल एक अद्वैतानिक संघ घोषित किया है। केन्द्र सरकार ने इस अधिनियम की धारा 7 व 8 के अन्तर्गत निहित शक्तियाँ राज्य सरकार को विकेन्द्रीकृत कर दी हैं। तत्पश्चात् राज्य सरकार ने अपनी अधिसूचना सं० डी० (ए) ए (9)-5/92 दिनांक 13-12-92, के द्वारा धारा 7 व 8 की शक्तियों को जिला दण्डाधिकारियों में निहित कर दिया है।

पुलिस अधीक्षक, मण्डी ने अपने पत्र सं० सु/आखा/92, दिनांक 13-12-1992 द्वारा सूचित किया है कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के कार्यालय इस जिला में अधोलिखित स्थानों में स्थित हैं:—

1. बीर भवन, स्थित महल्ला टारना, घण्टाघर के पश्चिम की ओर, मण्डी शहर।
2. मै० श्याम दास एण्ड सन्ज की ऊपर की मंजिल में, न्यू बैंक आफ इण्डिया के नजदीक, जोगिन्द्रनगर।
3. कमरा निकट जैदेव सिलाई केन्द्र के साथ तथा टेलीफोन एक्सचेंज के साथ, सरकाषाट।

मैंने भी सम्बन्धित उप-मण्डल दण्डाधिकारियों के माध्यम से पुष्टि की है कि ऊपर लिखित स्थानों को संघ के कार्यालय के रूप में प्रयोग किया जाता है। मैंने उपलब्ध सामग्री को पूर्ण सोच और विचार से परखा और स्वयं को संतुष्ट किया कि मुझे अनलाफुल एक्टिविटीज (प्रिवेन्शन) ऐक्ट, 1967 की धारा 8 (1) के अन्तर्गत कार्रवाई करनी होगी।

अतः म, संजीव गुप्ता, जिला दण्डाधिकारी, मण्डी, जिला मण्डी, अनलाफुल एक्टीविटीज (प्रिवेन्शन) ऐक्ट, 1967 की धारा 8 (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा अधिसूचित करता हूँ कि क्रमशः मण्डी, जोगिन्दरनगर व सरकाघाट में स्थित ऊपर लिखित स्थान को जो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नामक अवैधानिक संघ द्वारा अपने प्रयोजन के लिए प्रयोग किये जाते हैं।

यह मेरे हस्ताक्षर और मोहर सहित आज दिनांक 14-12-1992 को जारी हुई।

संजीव गुप्ता,
जिला दण्डाधिकारी मण्डी,
जिला मण्डी।

OFFICE OF DISTRICT MAGISTRATE, MANDI, DISTRICT MANDI, H. P.

NOTIFICATION

Mandi, the 14th December, 1992

No. 3068-72.—The Central Government *vide* its notification No. F. No. 11/14034/2(V)/92-IS(DV), dated 10-12-1992 has declared Rashtriya Swamsewak Sangh as an unlawful association under the provisions of Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 with immediate effect. The Central Government has delegated the powers exercisable under section 7 & 8 of the aforesaid Act to the State Government. The Government of Himachal Pradesh *vide* its Notification No. Home (A) A (9)-55/92, dated 13-12-1992 has further delegated the powers under section 7 & 8 of the Act *ibid* to the District Magistrates. The Superintendent of Police, Mandi *vide* his letter No. Su/Shakha/92, dated 13-12-1992 has informed that Rashtriya Swamsewak Sangh has its offices located at the following places in this District:—

1. Veer Bhawan in Muhalla Tarna in the west of Ghanta Ghar, Mandi Town.
2. Upper storey of M/s Shyam Dass & Sons near New Bank of India, Jogindernagar.
3. Room adjacent to Jai Dev Sewing Centre near Telephone Exchange, Sarkaghat.

I have also ascertained through the concerned Sub-Divisional Magistrates that the above addresses are correct and that activities of the unlawful Association namely Rashtriya Swamsewak Sangh take place in aforesaid premises located in Mandi, Jogindernagar and Sarkaghat respectively. I have given due thought and consideration of the material available before me and I am satisfied that it is necessary to proceed under section 8(1) of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967.

Now, therefore, I, Sanjeev Gupta, District Magistrate, Mandi District, Mandi in the exercise of the powers delegated to me under section 8(1) of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 hereby notify that the above mentioned places located at Mandi, Jogindernagar and Sarkaghat respectively are places which are used for the purpose of the Unlawful Association namely Rashtriya Swamsewak Sangh.

Issued under my hand and seal today the 14th December, 1992.

SANJEEV GUPTA,
District Magistrate, Mandi, Mandi District.